हरिहर काका

मिथिलेश्वर

प्रदत्त कार्य-1 : 'हरिहर काका' कहानी का नवीन अंत।

विषय : कहानी के अंत को बदलते हुए कल्पना से समापन करना।

उद्देश्य :

- कल्पनाशीलता का विकास।
- वैचारिक मंथन व चिंतन-मनन की प्रेरणा।
- लेखन व वाचन कौशल का विकास।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. पाठ समाप्ति पर उपरोक्त कार्य करवाया जाए।
3. सर्वप्रथम किसी अन्य कहानी के 'नवीन अंत' के विषय में बताते हुए शिक्षक छात्रों को कार्य से परिचित करवाएं।
4. 'हरिहर काका' कहानी के किसी अन्य अंत के विषय में विचार करने के लिए छात्रों को 10 मिनट का समय दिया जाए तथा कुछ मुख्य बिंदु लिख लेने का निर्देश भी दिया जाए।
5. प्रत्येक छात्र को विचाराभिव्यक्ति हेतु 2 मिनट का समय दिया जाए, वह 9-10 पंक्तियों में कहानी के नवीन अंत के विषय में बताए।
6. गतिविधि के समय शिक्षक प्रत्येक छात्र के क्रियाकलापों पर ध्यान रखें। छात्राभिव्यक्ति के दौरान अन्य विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनें। छात्र व शिक्षक मिलकर कार्य का मूल्यांकन करें।
7. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- मौलिकता व नवीनता

- शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना
- उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता
- हाव–भाव, आरोह–अवरोह
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक विद्यार्थी की सराहना की जाए।
- छात्रों की सहायता से सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति का चयन किया जाए।
- उच्चारण संबंधी त्रुटियों पर छात्रों का ध्यान केन्द्रित कर उन्हें दूर करने का सुझाव दें।

प्रदत्त कार्य–2 : विचाराभिव्यक्ति

विषय : "आपसी संबंधों पर धन का प्रभाव"

उद्देश्य :

- चिंतन–मनन का विकास।
- स्पष्ट व स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- कल्पनाशीलता का विकास।
- वाचन कौशल का विकास।
- श्रवण कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक दैनिक जीवन में धन की महत्ता पर उदाहरण देते हुए प्रकाश डालें तथा छात्रों को कार्य के स्वरूप से परिचित करवाएं।
3. प्रत्येक छात्र को प्रस्तुत विषय पर विचार हेतु 9–10 मिनट का समय दिया जाए, छात्र मुख्य विचार बिंदु लिख भी सकते हैं। इस समय शिक्षक घूम–घूम कर कार्य का निरीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें।

- विचाराभिव्यक्ति हेतु प्रत्येक छात्र को 1–2 मिनट का समय दिया जाए। इस समय अन्य छात्र ध्यानपूर्वक सुनें। छात्र तथा शिक्षक मिलकर कार्य का मूल्यांकन करें।
- मूल्यांकन के आधार तथा अंक श्यामपट्ट पर कार्य से पूर्व लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु (मौलिकता व व्यावहारिकता)
- शब्द चयन व सटीक वाक्य रचना
- उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता
- हाव–भाव, आरोह–अवरोह
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना।
- उच्चारण दोष दूर करने के लिए सुझाव।
- छात्रों की सहायता से सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति तथा वक्ता का चयन।
- विचाराभिव्यक्ति से संबंधित मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।

प्रदत्त कार्य–3 : नाट्य मंचन / एकांकी मंचन।

विषय : कहानी का एकांकी में रूपांतरण व मंचन।

उद्देश्य :

- एकांकी विधा से परिचय।
- अभिनय क्षमता व संवाद शैली से परिचय।
- पटकथा लेखन का ज्ञान व अभ्यास।
- सहभागिता
- आत्मविश्वास

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य (5-6 छात्रों का एक समूह)
2. प्रस्तुत कार्य के साथ पाठ का आरंभ किया जा सकता है।
3. सर्वप्रथम शिक्षक कार्य से छात्रों को परिचित करवाते हुए कहानी की पटकथा लेखन के संदर्भ में आवश्यक निर्देश दें तथा आधारों से अवगत कराएं।
4. एकांकी रूपांतरण तथा मंचन की तैयारी हेतु छात्रों को एक सप्ताह का समय दें। सप्ताह के बीच-बीच में कार्य की प्रगति के विषय में पूछकर छात्रों को प्रोत्साहित करें।
5. नियत दिन पर प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के समय अध्यापक व कक्षा के अन्य समूह उसका मूल्यांकन करेंगे। प्रत्येक समूह को प्रस्तुति हेतु 10-15 मिनट का समय दें।
6. मूल्यांकन के आधार तथा अंक विभाजन गतिविधि से पूर्व श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- एकांकी रूपांतरण (विषय व भावानुरूप)
- संवाद शैली (हाव-भाव, आरोह-अवरोह)
- अभिनय शैली (शब्द चयन, सटीक वाक्य रचना, उच्चारण)
- सहभागिता व सक्रिय योगदान
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- छात्रों के सामूहिक प्रयासों की सराहना।
- अभिनय विशेष की सराहना।
- सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का छात्रों के सहयोग से चयन।
- किसी भी दृष्टि से कमी होने पर सुधार हेतु सुझाव।

प्रदत्त कार्य-4 : साक्षात्कार

विषय : किसी अकेले व्यक्ति से साक्षात्कार।

उद्देश्य :

- भावुकता व संवेदनशीलता का विकास।
- समाज के प्रति दायित्व बोध जगाना।
- चिंतन-मनन की प्रेरणा।
- लेखन व वाचन क्षमता का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि व अनुप्रयोग।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक समाज में ऐसे व्यक्तियों की दुर्दशा पर प्रकाश डालेंगे जो अकेले तथा बुजुर्ग हैं। इसके लिए समाचार-पत्रों में प्रकाशित खबरों का उदाहरण भी दिया जा सकता है।
3. छात्रों को निर्देश दिया जाए कि वे अपने आस-पास रहने वाले किसी ऐसे व्यक्ति के विषय में जानकारी प्राप्त करें तथा उसका साक्षात्कार लें। उनके पास जाकर उनकी मानसिक, सामाजिक, आर्थिक दशा को जानने का प्रयास करें। इसके लिए वे किसी वृद्धाश्रम में भी जा सकते हैं। उनसे मिलने से पहले कुछ प्रश्न बना लें।
4. इस कार्य के लिए छात्रों को एक सप्ताह का समय दिया जाए। यह कार्य पाठ समाप्त होने पर करवाया जाए।
5. साक्षात्कार का मूल्यांकन सभी कार्यों को संग्रह कर करें तथा कक्षा में उसे बताएँ।
6. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषयवस्तु
- प्रश्नों का चयन
- भाषा
- प्रस्तुति

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कार्य में कमी रहने के संदर्भ में छात्र को प्रोत्साहित करते हुए सुधार हेतु सुझाव दें।
- सर्वश्रेष्ठ साक्षात्कार का चयन कर उसकी प्रशंसा की जाए।
- कुछ साक्षात्कार का चयन कर प्रदर्शित करें।

प्रदत्त कार्य-5 : वाद-विवाद

विषय : "मीडिया का जनजीवन पर प्रभाव"

उद्देश्य :

- जनसंचार माध्यमों की महत्ता पर प्रकाश।
- प्रिंट और इलैक्ट्रोनिक मीडिया की जानकारी का विकास।
- समाज के प्रति नैतिक दायित्व बोध जगाना।
- किसी भी विषय के संदर्भ में स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- कल्पनाशीलता व रचनात्मक क्षमता का विकास।
- लेखन व वाचन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम अध्यापक कुछ पंक्तियों के माध्यम से मीडिया के कार्य से छात्रों को अवगत करवाएँ। जैसे –

   मीडिया का सकारात्मक प्रभाव –

   मीडिया की देखो भैया आई ऐसी बहार

   पल-पल की जानकारी से भरा पड़ा अखबार

   भरा पड़ा अखबार न अब कोई अज्ञानी

   हर चेहरे की असली सूरत सबने है पहचानी

मीडिया का नकारात्मक प्रभाव –

मीडिया की देखो भैया आई ऐसी बहार

अभद्र, अश्लील संस्कृति की चल पड़ी बयार

कुछ नहीं अब निजी रहा, हो गया सरे आम

अपनी रोटी सेंकना बस यही इनका काम

3. छात्रों को उपरोक्त विषय पर विचार हेतु 10–15 मिनट का समय दिया जाए।

4. छात्रों को निर्देश दिया जाए कि वे अपनी इच्छानुसार किसी भी विधा जैसे कविता, संस्मरण, अनुभव आदि के माध्यम से विचार लिख लें। इस कार्य के दौरान शिक्षक घूम–घूम कर निरीक्षण करें तथा आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन करें।

5. विचाराभिव्यक्ति हेतु प्रत्येक छात्र को 2–3 मिनट का समय दिया जाए। इस समय अन्य छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा मूल्यांकन भी करेंगे।

6. मूल्यांकन के आधार बिंदु तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु (मौलिकता, भावानुरूपता)
- शब्द–चयन, सटीक वाक्य रचना, क्रमबद्धता
- उच्चारण की शुद्धता व स्वर की स्पष्टता
- हाव–भाव, आरोह–अवरोह
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य की पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कार्य में कमी रहने पर सामूहिक रूप से सुधार हेतु सुझाव दें।
- छात्रों की सहायता से सर्वश्रेष्ठ वक्ता तथा अभिव्यक्ति का चयन किया जाए।
- कुछ चुनी हुई अभिव्यक्तियों को लिपिबद्ध कर सूचना–पट्ट पर प्रदर्शित करें।